निदेशकों का सुविदितीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम

1.0 ओएनजीसी के स्वतंत्र निदेशक श्री के.एन. मूर्ति और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अपर सचिव डॉ. एस.सी. खुंटिया के डीएमआईपीई का दौरा - 13 और 14 अगस्त, 2014

ओएनजीसी के स्वतंत्र निदेशक श्री के.एन. मूर्ति और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. एस.सी. खुंटिया, भारतीय प्रशासनिक सेवा ने क्रमश: 13 और 14 अगस्त, 2014 को केडीएमआईपीई - ओएनजीसी का प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान का दौरा किया। केडीएमआईपीई में इन उच्च अधिकारियों का स्वागत, श्री डी.के. दासगुप्ता, जीजीएम - एचओआई - केडीएमआईपीई और डॉ. डी.एन. सिंह, जीजीएम - एचओआई - केडीएमआईपीई (पदनामित) द्वारा किया गया। इन दौरों के दौरान, इन उच्च अधिकारियों को, केडीएमआईपीई के कार्यों और क्षमताओं तथा उपलब्ध सुविधाओं पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिए गए। उन्होंने किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं के बीच का अंतर पूरा करने के आगामी कार्यक्रम के बारे में केडीएमआईपीई के समूह प्रमुखों के साथ विचार-विमर्श किया।

डॉ. डी.के. दासगुप्ता, एचओआई - केडीएमआईपीई ने ओएनजीसी के इस प्रमुख अनुसंधानएवं विकास संस्थान की भूमिका और भारत में हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण एवं विकासमें इसका योगदान स्पष्ट किया।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात इन उच्च अधिकारियों ने, प्रोफेसर कालीनिन संग्रहालय, जिसमें तेल के नमूने और अन्वेषण प्रगतियां रखी थीं और केडीएमआईपीई प्रयोगशालाओं का दौरा किया।

ये उच्च अधिकारी, केडीएमआईपीई में किए जा रहे कार्य से प्रभावित हुए। उन्होंने, ओएनजीसी के अन्वेषण परिदृश्य में केडीएमआईपीई की भूमिका की प्रशंसा की और संस्थान के कार्यचालन तथा सुविधाओं की सराहना की। उनका विचार था कि यहां

उपलब्ध विशेषज्ञता से यह प्रमुख ओएनजीसी का यह अनुसंधान संस्थान, अपनी छवि के अनुकूल, अन्वेषण अनुसंधान के क्षेत्र में अपेक्षाकृत बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री मूर्ति ने अपने दौरे का संक्षिप्तीकरण, "ओएनजीसी का मंदिर देख कर अच्छा लगा" के रूप में किया। डॉ. खुंटिया ने अपने विचार, "बहुत उपयोगी दौरा था, मैं संस्थान की सफलता की कामना करता हूं" के रूप में व्यक्त किए।

2.0 <u>स्वतंत्र निदेशक ने राजमुंदरी परिसंपत्ति का विज़न - 10 दिसंबर, 2014 का समर्थन किया</u>

देश में अपने नेतृत्व की स्थिति कायम रखने के लिए, ओएनजीसी का बोर्ड, उत्कृष्टता के प्रति अपने प्रतिबद्ध ऊर्जा सैनिकों को अधिक अभिप्रेरित करने के लिए विभिन्न परिसंपत्तियों की नियमित समीक्षा करता है। शीर्ष प्रबंधन के इन प्रयासों को प्रतिध्विनत करते हुए, ओएनजीसी के स्वतंत्रिनदेशक श्री के. नरसिम्हा मूर्ति ने राजमुंदरी का दौरा किया और लाभों तथा बांटम लाइन में और सुधार करने के लिए राजमुंदरी दल के अभिनव नये विचारों की सराहना की। इस बिंदु को आगे ले जाते हुए कि आसान तेल के दिन जा चुके हैं और उच्च दबाव तथा उच्च तापमान व्यवस्था, आज की प्रणाली होने के कारण, निदेशक ने स्थानीय रूप से एचपी-एचटी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया क्योंकि यह ऐसे कूपों का हब है। प्रचालनात्मक उत्कृष्टता पर प्राप्त राजमुंदरी के पुरस्कारों के लिए अत्यधिक संतुष्टि अभिव्यक्त करते हुए, स्वतंत्र निदेशक ने भविष्य सूचक अनुरक्षण अपनाने और जोखिम रजिस्ट्री विकसित करने की सुदृढ़ सिफारिश की ताकि सुरक्षा को दिन-प्रति दिन की आदत बनाया जा सके, जिसके परिणामस्वरूप मजबूत सुरक्षा संस्कृति और वृद्धित प्रचालनात्मक दक्षता सृजित हो सके।

इस अवसर पर बोलते हुए परिसंपत्ति प्रबंधक ने उल्लेख किया कि यह परिसंपत्ति, वैश्विक भूसंपत्ति विशेषज्ञों की सहायता से पूरी तरह, अत्यधिक जटिल एचटी-एचपी का वेधन कर रही है।

स्वतंत्र निदेशक को परिसंपत्ति प्रबंधक और वरिष्ठ कार्यकारियों के उसके दल द्वारा पांचवीं पीढी के रिग एसी-वीएफडी और तातिपाका रिफाइनरी तक साथ ले जाया गया। स्वतंत्र निदेशक इस दौरे से अत्यधिक संतुष्ट थे और उन्होंने, राष्ट्र की प्रगति जारी रखने और कंपनी का गौरव बढ़ाने के लिए ऊर्जा सैनिकों को कठिन परिश्रम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वतंत्र निदेशक ने, ईओए के क्रियाकलाप देखने के लिए पहले भी पूर्वी अपतट और अभिनट टर्मिनल, ओडालरेवु में अपतट रिग एक्तीनिया का दौरा किया गया था।

.....